Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
PGDVD-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : तृतीय

संस्कृतसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. ईशोपनिषद् में वर्णित 'सम्भूति तथा असम्भूति' मन्त्रों की व्याख्या करें तथा इन मन्त्रों की मुख्य प्रेरणा का परिचय दें।
2. नचिकेता के द्वितीय वर "स्वर्ग साधक अग्नि" का सप्रसंग व्याख्या करें।
3. प्रश्नोपनिषद् में वर्णित प्रथम प्रश्न (तप, ब्रह्मचर्य, श्रद्धा) को समझाते हुए सविस्तार व्याख्या करें।
4. केनोपनिषद् में वर्णित 'ब्रह्म के स्वरूप' का वर्णन अपने शब्दों में करें।
5. कठोपनिषद् के अनुसार श्रेय मार्ग-प्रेय मार्ग क्या है? सविस्तार वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "कुर्वन्नेवेहकर्माणि ....." मन्त्र की संक्षिप्त व्याख्या करें।
7. "इह चेदवेदीदथ सत्यमस्ति ....." श्लोक को पूरा करते हुये संक्षिप्त व्याख्या करें।
8. "आत्मानं रथिनं विद्धि ....." श्लोक की सारगर्भित व्याख्या करें।
9. 'ब्रह्म' की सोलह कलाएं कौन-सी है? लिखें।
10. "ईशावास्यमिदं सर्वं ....." मन्त्र को पूर्ण करते हुए, सारगर्भित व्याख्या करें।
11. 'केनोपनिषत्' से कोई एक श्लोक लिखें तथा उसकी व्याख्या करें जो इस प्रश्न पत्र में न हो।
12. "कठोपनिषद्" से कोई एक श्लोक लिखें तथा व्याख्या करें।

----------X----------